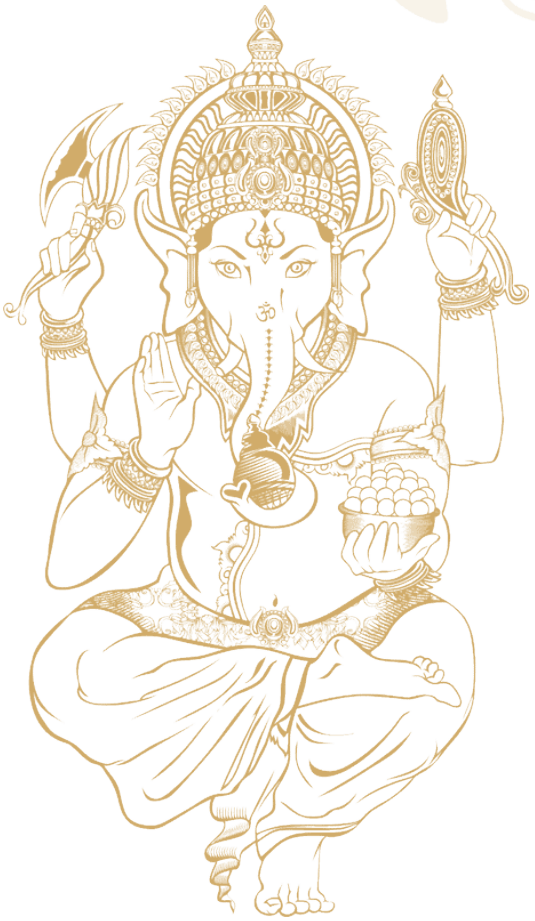

Pradeep Kumar

Archana Kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120825907

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/04/1971	जन्म तिथि	07/07/1977
बुध-गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:50:00	जन्म समय	09:06:00 घंटे
घटी 52:47:53	जन्म समय(घटी)	10:05:04 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Hajipur
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	25:41:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	85:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	00:10:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:50	सूर्योदय	05:03:45
18:05:16	सूर्यास्त	18:44:00
23:27:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:32:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 14दि	19:28:17	मक	लग्न	सिंह	13:18:14	शनि 10वर्ष 4मा 17दि
शनि	17:03:12	मीन	सूर्य	मिथु	21:22:04	शुक्र
14/12/2010	25:47:50	वृष	चंद्र	मीन	09:22:54	24/11/2011
14/12/2029	18:09:59	धनु	मंगल	मेष	29:04:10	24/11/2031
शनि 17/12/2013	05:51:53	मेष	बुध	मिथु	29:44:50	शुक्र 25/03/2015
बुध 26/08/2016	12:53:15	वृश्चि व	गुरु	वृष	27:35:34	सूर्य 24/03/2016
केतु 05/10/2017	09:17:05	कुंभ	शुक्र	वृष	07:00:27	चन्द्र 23/11/2017
शुक्र 05/12/2020	26:45:04	मेष	शनि	कर्क	22:14:48	मंगल 23/01/2019
सूर्य 17/11/2021	28:59:20	मक व	राहु व	कन्या	26:43:03	राहु 23/01/2022
चन्द्र 18/06/2023	28:59:20	कर्क व	केतु व	मीन	26:43:03	गुरु 23/09/2024
मंगल 27/07/2024	18:07:09	कन्या व	हर्ष व	तुला	14:10:43	शनि 24/11/2027
राहु 03/06/2027	09:25:48	वृश्चि व	नेप व	वृश्चि	20:25:30	बुध 23/09/2030
गुरु 14/12/2029	04:34:50	कन्या व	प्लूटो	कन्या	17:55:20	केतु 24/11/2031

लग्न-चलित

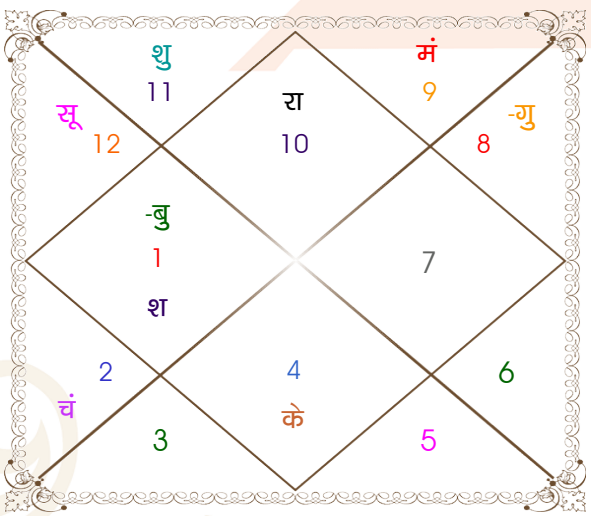

लग्न-चलित

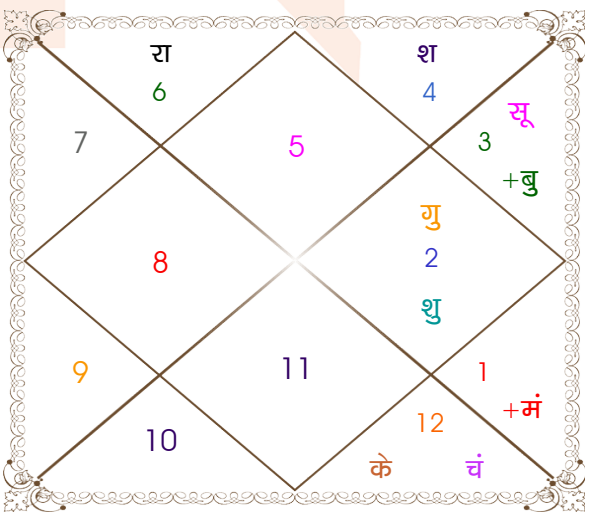

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि च्तंकममच ज्ञनउंत का नक्षत्र मृगशिरा है।

च्तंकममच ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा ।तर्बीदं ज्ञनउंतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंकममच ज्ञनउंत और ।तर्बीदं ज्ञनउंतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंकममच ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तंकममच ज्ञनउंत कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।तर्बीदं ज्ञनउंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ।तर्बीदं ज्ञनउंतप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंकममच ज्ञनउंत तथा ।तबींदं ज्ञनउंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।